	Hkkjrh; 'kkL= ,oa Ñf"k ekSle foKku foHkkx tokgjyky usg: Ñf"k fo'ofo|ky;] tcyiqj d`f"k ekSle lykg lsok,¡ **(Project Sponsored by IMD, MoES, New Delhi)**	

सलाहकार समिति के सदस्यः डॉ. ओम गुप्ता, डी. ई. एस., मृदा एवं जल अभियॉत्रिकी विभाग – डॉ. एम. के. अवस्थी, सस्य विज्ञान डॉ. पी. बी. शर्मा, फल विज्ञान –डॉ. एस. के. पांडे, सब्जी विज्ञान – डॉ. बी. आर. पांडे, कीट विज्ञान – डॉ. एस. बी. दास, पौध रोग विज्ञान –डॉ. आलोक वाशनिकर, कृषि मौसम विज्ञान – डॉ. मनीष भान, पशु विज्ञान – डॉ. एल. एस. सेखावत

o"kZ&2019	vad&69	fnukad 31 vxLr ls 04 flrEcj 2019	fnukad% 30-08-2019

¼ftyk tcyiqj dh fy, tokgjyky usg: Ñf"k fo'ofo|ky; tcyiqj ,oa ekSle dsUnz Hkksiky }kjk la;Dr :i ls tkjh½

vkxkeh ikap fnuks dk ekSle iwokZuqeku&

भारत सरकार के भारत मौसम विज्ञान विभाग भोपाल से प्राप्त जानकारी के अनुसार, जबलपुर तथा इसके आस–पास के क्षेत्रों में आगामी 5 दिनों में आसमान में घने बादल रहने एवं लगभग 78 मिमी. वर्षा होने की संभावना है । हवा 7.5 से 15.3 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से विभिन्न दिशाओं से चलने की संभावना है। अधिकतम तापमान 29.0 से 31.0 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 23.0 से 24.0 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का पूर्वानुमान है।

EkkSleh rRo @fnukad	31/08/2019	01/09/2019	02/09/2019	03/09/2019	04/09/2019
Ok"kkZ ¼fe-eh-½	20	15	8	20	15
vf/kdre rkieku ¼fM-ls-½	30	29	30	30	31
U;wure rkieku ¼fM-ls-½	23	23	24	24	24
Ckkny dh fLFkfr	घने	घने	घने	घने	घने
vkisf{kr vknzrk ¼lqcg½	94	95	90	93	94
vkisf{kr vknzrk ¼'kke½	69	70	68	72	71
gok dh xfr ¼fd-eh-@?k.Vk½	7.5	8.2	15.3	12.7	11.5
gok dh fn'kk	दक्षिण–पूर्व	दक्षिण–पूर्व	दक्षिण–पूर्व	उत्तर–पश्चिम	पश्चिम

ekSle vk/kkfjr lkIrkfgd d`f"k ijke'kZ fnukad 31 vxLr ls 04 flrEcj 2019

lkekU; lykg	• पूर्वी मध्यम प्रदेश में आगामी पॉच दिनों में मध्यम वर्षा होने की सम्भावना है । • सोयाबीन एवं दलहनी फसलों में लगातार होने वाली वर्षा के कारण जलभराव की स्थिति पर जल निकास हेतु नालियों की व्यवस्था करें।
/kku%	• खेतों की मेढ़ों के मोधों की मरम्मत कर बांधने का कार्य करें जिससे वर्षा जल का संरक्षण हो सके । • पूर्व में बोई धान में आवश्यकतानुसार नत्रजन की पूर्ति यूरिया से करें। • मौसम खुलने पर धान जो 20–30 दिन की हो गई है, वहॉ पर खरपतवारनाशी का उपयोग कर नियंत्रण करें।
lks;kchu	• सेयाबीन की फसल में जलनिकास की समुचित व्यवस्था करे। खरपतबार निकालें। • फसल की निरंतर निगरानी करें । सफेद मक्खी का प्रकोप दिखने पर सर्वगीन कीटनाशक दवाइयों का छिडकाव करें । पीला मोजेक से ग्रसित पौधों को उखाड़कर नष्ट करे। पीला चिपचिपा प्रपंच खेत में लगाएं । गर्डल वीटल एवं हरी लिपलिपी अर्धकुण्डल इल्ली का प्रकोप होने पर नियंत्रण करें।
vjgj	• खेतों में आवश्यकतानुसार जल निकास करें, साथ ही खरपतवार नियंत्रण एवं कीटों से बचाव करें। पत्ती मोड़क कीटो का प्रकोप दिखाई देने पर इनको इक्ठा कर नष्ट करे।
ewax @ mMn	• आवश्यकतानुसार जल निकास करें,। खरपतवार नियंत्रण एवं कीटों से बचाव करें।
Qy nkj o`{k	• वृक्षों के आसपास नींदा नियंत्रण करें। • नये बगीचों में रोपित पौधों के सहारे के लिए लकड़ियॉ लगा दें । • वर्षा की सम्भावना को ध्यान में रखते हुए सड़ी खाद की पहली अनुशंसित मात्रा का उपयोग करें। एवं वृक्षों में समतल थाला बनाएँ। • वृक्षों के बीच से पानी निकासी के लिए नाली बनाएँ ताकि खेत में जल भराव की स्थिति निर्मित न हो ।
lfCt;k	• हल्दी एवं अदरख के खेतों में आवस्यकतानुसार जल निकास करें । • खरीफ प्याज, बैगन, टमाटर, मिर्च की नर्सरी नगाएँ । खेत में बतर आने के बाद पौधों की रोपाई करें । • भिण्डी में फल छेदक इल्ली का प्रकोप बढ़ेगा । नियंत्रण हेतु निकटतम कृषि विज्ञान केन्द्र से सलाह लें। • टमाटर, बैगन एवं मिर्ची अदि फसलों की नर्सरी में अर्द्ध गलन रोग की सम्भावना हो सकती है अतः फफूदनाशक दवा की 1 से 1.5 ग्राम मात्रा प्रति लीटर पानी के हिसाब से 10–15 दिन के अन्तराल पर दो वार छिड़काव करे।
Ik'kq ,oa eqxhZ ikyu	• नवजात पशुओं को कृमिनाशक दवा पिलाये। • दुधारू गायों को नियमित स्वच्छ पानी पिलाएँ एवं मच्छरों से वचाव हेत पशुशाला में कीट नाशकों का छिड़काव करें। • मुर्गियों में वर्षा के मौसम में बीमारियों के रोकथाम हेतु टीकाकरण करें।

नोडल आफीसर

दिनांकः 30 अगस्त 2019